नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय चीनी और जापानी भाषा कार्यशाला

वर्धा दि. 8 अक्तूबर 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सात दिवसीय चीनी और जापानी भाषा कार्यशाला का शुभारम्भ प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल संकायाध्यक्ष, भाषा विद्यापीठ एवं निदेशक, भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र के बीज वक्तव्य से हुआ। अपने उद्घाटन वक्तव्य में प्रो शुक्ल ने कहा कि संचार और अनुवाद की दुनिया में भाषा का बहुत महत्व है। इस विश्वविद्यालय ने विदेशी भाषाओं के पाठ्यक्रम का निर्माण इस प्रकार से किया है जिसका आपको उच्च डिग्री के लिए देश के हर कोने में आगे की पढ़ाई के लिए आधार का काम करेगी। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, भारतवर्ष में एकमात्र स्थान है जहाँ हिंदी माध्यम से विगत लगभग एक दशक से चीनी भाषा का नियमित रूप से अध्ययन और अध्यापन कार्य चल रहा है। पिछले 2007-08 से ही विदेशी भाषा अध्ययन संबंधित पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा यूजीसी से सैद्धांतिक रूप से दो और विदेशी भाषाओं – रशियन और हिब्रू भाषा को शुरू करने की निर्देश मिल चुके है। जल्द ही उसे भी व्यवहार में लाया जाएगा। प्राय: यह देखा गया है कि यहां इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत अधिकतर विद्यार्थी चीन के विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर इन भाषाओं में उच्चशिक्षा प्राप्त करने की अभिलाषा व्यक्त करते हैं। साथ ही, देशी-विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अनुवादक एवं द्विभाषिक रोजगार प्राप्ति के लिए प्रयास भी करते हैं। वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2015-16 से स्पेनिश और चीनी भाषा में एम. फिल. और पीएच. डी. की भी पढ़ाई शुरू हो चुकी है जो विदेशी भाषा की बढ़ती लोकप्रियता मानी जा सकती है। इस दृष्टि से इन विद्यार्थियों को चीनी भाषा संबंधी लिपि-लेखन, वार्तालाप, व्याकरण, वाक्य-संरचना आदि जैसे विषय पर आयोजित यह कार्यशाला आप सभी के लिए बहुत ही उपयोगी सावित होगी।

चीनी भाषा कार्यशाला की रूपरेखा के बारे में अनिर्बाण घोष, सहायक प्रोफेसर ने कहा कि "चीनी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला", "चीनी लिपि-लेखन प्रतियोगिता" इस दिशा में एक विनम्र प्रयास है। आशा है कि यह प्रशिक्षण कार्यशाला चीनी भाषा संबंधी पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अनेक दृष्टया लाभान्वित करेगी। कार्यशाला दिनांक 5 अक्टूबर से 11 अक्टूबर, 2015 तक प्रतिदिन अपराह्न 4.00 बजे से 6.30 बजे तक चलेगी और 12 अक्टूबर को में प्रशिक्षण प्राप्त सभी प्रतिभागियों को "चीनी भाषा लिपि-लेखन प्रतियोगिता" और "जापानी भाषा लिपि-लेखन प्रतियोगिता" के माध्यम से उन्हें प्रोत्साहित भी किया जाएगा। सभी प्रतिभागिओं को समापन कार्यक्रम में प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा एवं प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

जापानी भाषा कार्यशाला की रूपरेखा के बारे में सन्मति जैन, सहायक प्रोफेसर ने कहा कि इस लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला में विद्यार्थियों को लगभग 100 जापानी लिपि-चिह्नों से परिचित होंगे। त्रुटिरहित लिपि-चिह्न लिखने के लिए विद्यार्थियों को लिपि का इतिहास, स्ट्रोक्स, स्ट्रोक पद्धति, रैडिकल्स आदि से परिचित होंगे। कार्यक्रम का संचालन स्पेनिश भाषा के सहायक प्रोफेसर, डॉ. रवि कुमार ने की। उन्होनें कहा कि

नागपुर और वर्धा के बीच में नव स्थापित हो रहे व्यवसायिक जोन विदेशी भाषाओं और यहां के स्थानीय लोगों के लिए एक बहुत बड़ा रोजगार का अवसर प्रदान करेगा। धन्यवाद एवं आभार ज्ञापन के साथ-साथ प्रतिभागियों को शुभकामना संदेश आराधना सक्सेना, सहायक प्रोफेसर, (अंग्रेजी) ने की। उद्घाटन सत्र के बाद चीनी और जापानी भाषा कार्यशाला के प्रथम दिन की शुरुआत अलग-अलग कक्षाओं में श्री अनिर्बाण घोष और श्री सन्मति जैन ने की। इस उद्घाटन कार्यक्रम में भारतीय एवं विदेशी भाषा के अध्ययन केंद्र के डॉ. श्री नारायण सिंह, सहायक प्रोफेसर (संस्कृत), श्री सेराज अंसारी, सहायक प्रोफेसर (उर्दू भाषा), सुश्री सुषमा लोखण्डे सहायक प्रोफेसर (मराठी), डॉ. श्रीनिकेत मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, (फ्रेंच) और डॉ. धनजी प्रसाद, सहायक प्रोफेसर (कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग) भी उपस्थित थे। कार्यशाला कार्यक्रम में 50 प्रतिभागियों सहित भारतीय और विदेशी भाषा के अन्य सभी छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।